[श्री रामेश्वर पाटीदार]

नवागाम को अब सरदार सरोवर नाम दिया गया है। सरदार पटेल जिन्दा होते तो जिन्दा लोगों की लाशों पर बनने वाले इस बांध को कभी स्वीकार नहीं करते। इसके लिये मध्यप्रदेश के खरगोन एवं धार जिले की हजारों एकड़ नर्मदा कछार की देश की सर्वाधिक उपजाऊ भूमि को डुबाने की आवश्यकता नहीं थी। निमाड़ के हजारों लोगों को बेघर करने की आवश्यकता नहीं थी।

गुजरात-राजस्थान की जिस भूमि में सिंचाई का प्रावधान है, वह इतनी उपजाऊ नहीं है, मध्य प्रदेश की भूमि की तुलना में तो नगण्य उपजाऊ है, कच्छ का रण और अन्य हजारों एकड़ भूमि तो बिल्कुल उपजाऊ नहीं है।

मध्य प्रदेश को बिजली की भूख नहीं, पानी की प्यास है, उसे सिंचाई के लिये और अधिक पानी की आवश्यकता है।

पुनासा बांध से उसे गुजरात के लिए 10 लाख एकड़ फुट पानी रेंगुलर रिलीज करना पड़ेगा। जबकि गुजरात को निश्चित रूप से पुनासा बांध (मध्य प्रदेश) से पानी, मिलना ही है, तब 455 फुट ऊंचे नवागाम बांध की आवश्यकता नहीं है। इस फैसले के कारण निर्माण का काफी अहित होगा, मध्य प्रदेश की प्रगति को काफी आघात पहुंचेगा।

मध्य प्रदेश की जनता खासकर निर्माण की जनता इस फैसले को स्वीकार नहीं कर पायेगी।

(ii) FLOODS IN BIHAR

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, बाढ़ के सम्बन्ध में मैंने बहुत पहले से लिख कर दिया हुआ है, मैं समझता हूं कि अब तो बाढ़ की विनाश लीला चरम उत्कर्ष पर पहुंच चुकी है, लेकिन फिर भी मैंने जो नियम 377 के अन्तर्गत लिख कर आपको दिया है वही पढ़कर सुनाता हूं।

राजकीय उच्च मार्ग 31 के ऊपर से पानी बह रहा है। बिहार और आसाम के बीच यातायात का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। हाजीपुर (वैशाली) जिले में, जहां से मैं जीत कर आया हूं, राघोपुर एवम महनार प्रखंड बाढ़ के पानी से जलमग्न हो गये हैं, तथा वहां के निवासी इधर-उधर शरण ले रहे हैं। खगड़िया सुरक्षा बांध टूट गया है और नगर में पानी घुस गया है। बरौनी औद्योगिक क्षेत्र में भी पानी घुसने की संभावना है। मुंगेर का बंदूक कारखाना एवम् जमालपुर कारखाना भी खतरे में है। दानापुर सैनिक छावनी खतरे में है। सिवान, सोनपुर, समस्तीपुर में, समस्त उत्तरी बिहार में, बाढ़ की विनास लीला चरम उत्कर्ष पर है। सैकड़ों लोगों की जानें गई हैं और करोड़ों की सम्पत्ति नष्ट हुई है। जन-जीवन अस्तव्यस्त है। लोगों को अविलम्ब राहत एवम् रक्षा की आवश्यकता है। लाखों लोग संकट में घिरे हैं। केन्द्रीय सरकार अविलम्ब उस पर गंभीरता से ध्यान दे, तथा बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में राहत-कार्य युद्ध-स्तर पर चलाये। वह सेना को आवश्यकतानुसार भेजे, जिससे जन-जीवन की रक्षा की जा सके।

(iii) REPORTED DEMOLITION OF SHOPS IN SHASTRI BAZAR IN SOUTH DELHI

SHRI K. GOPAL (Karur): Madam, I am thankful to you for having allowed me to speak on this important matter. On the 20th August, 1978, the Police and the CRPF swung into sudden action in the Shastri Bazar market in South Delhi and pulled down 100-odd shops of that market. It was shocking that the shopkeepers were given no prior notice. They were not even given time to remove their goods and their belongings. All these shopkeepers were poor vegetable sellers. They have been deprived of all their belongings and means of livelihood.

The Shastri Market serves the needs of several residential colonies in South Delhi and the demolition of the market has caused immense inconvenience to